संगीत नाटक अकादेमी

संगीत, नृत्य और नाटक की राष्ट्रीय अकादेमी

नई दिल्ली

20 जनवरी, 2011

<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

संगीत नाटक अकादेमी रत्न सदस्यता (अकादेमी फेलोशिप) एवं अकादेमी पुरस्कार (अकादेमी अवार्ड) 2010 की घोषणा

संगीत, नृत्य एवं नाटक की राष्ट्रीय अकादेमी- **संगीत नाटक अकादेमी** की महापरिषद् की 19 जनवरी 2011 को नई दिल्ली में सम्पन्न बैठक में प्रदर्शन कलाओं की दो मूर्धन्य विभूतियों को अकादेमी रत्न अर्थात अकादेमी फेलो सम्मान के लिए चुना गया- श्रीमती गिरिजा देवी एवं श्री नटराज रामकृष्ण। संगीत नाटक अकादेमी की रत्नसदस्यता अकादेमी का सर्वोच्च एवं विशिष्ट सम्मान है, जो एक अवधि में गिनी-चुनी कला विभूतियों तक ही सीमित रहता है। सम्प्रति, संगीत नाटक अकादेमी में 34 रत्न सदस्य हैं।

अकादेमी की महापरिषद् में संगीत, नृत्य और नाटक एवं पुतुलकला के क्षेत्र में वर्ष 2010 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार (अकादेमी अवार्ड) के लिए अड़तीस (38) कलाकारों का चयन भी किया गया।

संगीत के क्षेत्र में नौ प्रख्यात कलाकारों- छन्नू लाल मिश्रा एवं यशपाल को हिन्दुस्तानी गायन संगीत, बुद्धादित्य मुखर्जी (सितार) एवं नित्यानन्द हल्दीपुर (बांसुरी) को हिन्दुस्तानी वाद्य संगीत, सुगुणा पुरूषोत्तमन एवं मैसूर नागमणि श्रीनाथ को कर्नाटक गायन संगीत, नगइ आर मुरलीधरन (वायलिन) एवं मुशनम बी राजाराव (मृदंगम) को कर्नाटक वाद्य संगीत और एम वी सिंहाचल शास्त्री (हरिकथा) को संगीत की अन्य प्रमुख परम्पराओं के लिए अकादेमी पुरस्कार 2010 के लिए चुना गया।

नृत्य के क्षेत्र में नौ प्रख्यात कलाकारों- मालविका मित्रा (कथक), कलामंडलम कोम्बिल गोविन्दन नायर (कथकलि), पंजोउबम इबोतोन सिंह (मणिपुरी), रत्ना कुमार (कूचिपूडि), अरूणा महान्ती (ओडिसी), माणिक बड़बायान (सत्रिया), उत्तरा आशा कूरलावाला (सृजनात्मक एवं प्रायोगिक नृत्य), कलामंडलम पैनकुलम रामा चाक्यार (नृत्य की अन्य प्रमुख परम्पराएं और नृत्य-नाट्य -- कूटियाट्टम), एवं एस राजेश्वरी (नृत्य के लिए संगीत-भरतनाट्यम) को अकादेमी पुरस्कार 2010 के लिए चुना गया।

रंगमंच के क्षेत्र में आठ प्रसिद्ध कलाकारों- डी विजय भास्कर (तेलुगु) एवं आतमजीत सिंह (पंजाबी) को नाट्यलेखन, वीनापाणि चावला एवं उर्मिल कुमार थपलियाल को निर्देशन और दिलीप प्रभावलकर, बनवारी तनेजा, माया कृष्ण राव एवं स्वातिलेखा सेनगुप्ता को अभिनय के लिए चुना गया।

अन्य पारम्परिक/लोक/जनजातीय नृत्य/संगीत/नाटक एवं पुतुलकला में योगदान के लिए दस सुविख्यात कलाकारों को अकादेमी पुरस्कार के लिए चुना गया जिनके नाम हैं- हरभजन सिंह नामधारी, गुरबाणी कीर्तन (पंजाब); नसीर अहमद खां वारसी एवं नज़ीर अहमद खां वारसी (संयुक्त पुरस्कार) कव्वाली (आंध्र प्रदेश); द्विजेन मुखर्जी, रवीन्द्र संगीत (पश्चिम बंगाल); टी सोमसुन्दरम, लोक नृत्य (तमिलनाडु); कृष्णा कुमारी, लोक संगीत-भाखा (जम्मू एवं कश्मीर); चन्दा जगदीश तिवाडी, लोक नाट्य-भारूड, (महाराष्ट्र); के चिन्न अंजन्नम्मा, तोलु बोम्मालाट्टा-छाया पुतुल (आन्ध्र प्रदेश); के वी रामकृष्णन और के सी रामकृष्णन (संयुक्त पुरस्कार), पावा कथकलि-दस्ताना पुतुल (केरल)।

प्रदर्शन कलाओं में समग्र योगदान/विद्वत्ता के लिए दो प्रख्यात हस्तियों- अशोक दा रानाडे को प्रदर्शन कलाओं में विद्वत्ता (संगीत) एवं जयदेव तनेजा को प्रदर्शन कलाओं में समग्र योगदान (नाटक) के लिए चुना गया।

संगीत नाटक अकादेमी रत्न सदस्यता (अकादेमी फेलो) 1954 से तथा अकादेमी पुरस्कार (अकादेमी अवार्ड) वर्ष 1952 से दिये जा रहे हैं। ये सम्मान राष्ट्रीय स्तर पर उच्चतम गुणवत्ता एवं उपलब्धियों के प्रतीक होने के साथ-साथ कला जगत में प्रदर्शन, प्रशिक्षण एवं विद्वत्ता के माध्यम से अथक योगदान को भी मान्यता प्रदान करते हैं। अकादेमी रत्न के तहत 3,00,000/- रू. (तीन लाख रूपए) एवं अकादेमी पुरस्कार के तहत 1,00,000/- रू. (एक लाख रूपए) नकद, ताम्रपत्र एवं अंगवस्त्रम् भेंट किये जाएंगे।

अकादेमी रत्न (अकादेमी फेलो) एवं अकादेमी पुरस्कार (अकादेमी अवार्ड) 2010 प्राप्त करने वालों की सूची संलग्न है।

जयन्त कस्तुआर
सचिव
संगीत नाटक अकादेमी

संगीत नाटक अकादेमी
नई दिल्ली

संगीत नाटक अकादेमी रत्न सदस्यता एवं अकादेमी पुरस्कार 2010

<u>अकादेमी रत्न (फेलो)</u>

श्रीमती गिरिजा देवी
श्री नटराज रामकृष्ण

<u>संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार (अवार्ड) 2010</u>

<u>संगीत</u>

1.	श्री छन्नू लाल मिश्रा	हिन्दुस्तानी गायन संगीत
2.	श्री यशपाल	हिन्दुस्तानी गायन संगीत
3.	श्री बुद्धादित्य मुखर्जी	हिन्दुस्तानी वाद्य संगीत (सितार)
4.	श्री नित्यानन्द हल्दीपुर	हिन्दुस्तानी वाद्य संगीत (बांसुरी)
5.	श्रीमती सुगुणा पुरूषोत्तमन	कर्नाटक गायन संगीत
6.	श्रीमती मैसूर नागमणि श्रीनाथ	कर्नाटक गायन संगीत
7.	श्री नगइ आर मुरलीधरन	कर्नाटक वाद्य संगीत (वायलिन)
8.	श्री मुशनम बी राजाराव	कर्नाटक वाद्य संगीत (मृदंगम)
9.	श्री एम वी सिंहाचल शास्त्री	संगीत की अन्य प्रमुख परम्पराएं (हरिकथा)

<u>नृत्य</u>

1.	श्रीमती मालविका मित्रा	कथक
2.	श्री कलामंडलम कोम्बिल गोविन्दन नायर	कथकलि
3.	श्री पंजोउबम इबोतोन सिंह	मणिपुरी
4.	श्रीमती रत्ना कुमार	कूचिपूडि
5.	श्रीमती अरूणा महान्ती	ओडिसी
6.	श्री माणिक बड़बायान	सत्रिया
7.	श्रीमती उत्तरा आशा कूरलावाला	सृजनात्मक एवं प्रायोगिक नृत्य
8.	श्री कलामंडलम पैनकुलम रामा चाक्यार	नृत्य की अन्य प्रमुख परम्पराएं और नृत्य नाट्य-कूटियाट्टम
9.	श्रीमती एस राजेश्वरी	नृत्य के लिए संगीत-भरतनाट्यम

<u>रंगमंच</u>

1.	श्री डी विजय भास्कर	नाट्यलेखन (तेलुगु)

2.	श्री आतमजीत सिंह	नाट्यलेखन (पंजाबी)
3.	श्रीमती वीनापाणि चावला	निर्देशन
4.	श्री उर्मिल कुमार थपलियाल	निर्देशन
5.	श्री दिलीप प्रभावलकर	अभिनय
6.	श्री बनवारी तनेजा	अभिनय
7.	श्रीमती माया कृष्ण राव	अभिनय
8.	श्रीमती स्वातिलेखा सेनगुप्ता	अभिनय

<u>अन्य पारम्परिक/लोक/जनजातीय नृत्य/संगीत/नाटक एवं पुतुलकला</u>

1.	श्री हरभजन सिंह नामधारी	गुरबाणी कीर्तन, पंजाब
2.	श्री नज़ीर अहमद खां वारसी एवं श्री नसीर अहमद खां वारसी (वारसी बंधु) (संयुक्त पुरस्कार)	कव्वाली, आंध्र प्रदेश
3.	श्री द्विजेन मुखर्जी	रवीन्द्र संगीत, पश्चिम बंगाल
4.	श्री टी सोमसुन्दरम	लोक नृत्य, तमिलनाडु
5.	श्रीमती कृष्णा कुमारी	लोक संगीत (भाखा), जम्मू एवं कश्मीर
6.	श्रीमती चन्दा जगदीश तिवाडी	लोक नाट्य (भारूड), महाराष्ट्र
7.	श्रीमती के चिन्न अंजन्नम्मा	तोलु बोम्मालाट्टा (छाया पुतुल), आन्ध्र प्रदेश
8.	श्री के वी रामकृष्णन एवं श्री के सी रामकृष्णन (संयुक्त पुरस्कार)	पावा कथकलि (दस्ताना पुतुल), केरल

<u>प्रदर्शन कलाओं में समग्र योगदान/विद्वत्ता</u>

1.	श्री अशोक दा रानाडे	प्रदर्शन कलाओं में विद्वत्ता (संगीत)
2.	श्री जयदेव तनेजा	प्रदर्शन कलाओं में समग्र योगदान (नाटक)

Smt. Girija Devi

Shri Nataraja Ramakrishna